करुणेश पाण्डेय

वाराणसी, उत्तर प्रदेश

जिंदगी दुःखमय है तो क्या करें

हर एक मुस्कुराते चेहरे के पीछे एक गहरा दर्द छिपा होता है , सोशल मीडिया पे जितने हंसते चेहरे आप देखते होंगे भले ही वो मुस्कुराते नजर आए लेकिन असल कहानी कुछ और होती है, वो दर्द छिपाने का एक जरिया होता है।

बात करते हैं इस जीवन के बारे में, जीवन दुःखों से भरा है सुख का सिर्फ आभास मात्र होता है ।
हर सुख के पीछे दुःख खड़ा होता है, या ये कह लीजिए कि सुख सिर्फ एक नकाब होता है दुःख को छिपाने का ।।
आप देखेंगे कि लोग कुछ नया करना चाह रहे क्यों क्योंकि वो पुराने से संतुष्ट नहीं है, दुःखी है। इसीलिए तो जरूरत पड़ती है नए कि, लेकिन वो नया भी हमें संतुष्टि नहीं दे पाता, जैसे आप बोर हो रहे हैं आप घूमने गए लेकिन घूमने के कुछ दिन बाद फिर वही उदासी,

और उदाहरण देखते हैं,

अब जैसे कोई व्यापार शुरू करे,नौकरी करे, कोई नया काम करें उसके बाद भी एक नई परेशानी मेहमान बनकर आ खड़ी होती है, चलिए एकदम सूक्ष्म चीजों को देखते हैं,विचार करते हैं अब किसी नए जगह जाइए घूमने के इरादे से तो आप पाएंगे कि कुछ दिनों ही बाद अब आप उस जगह से ऊबने लगेंगे, कोई अच्छी फिल्म आप दो या तीन बार देखिए अगली बार आपको वो उतना अच्छा नहीं लगेगी या देखने की इच्छा ही नहीं होगी।

आपको बहुत इच्छा होती है कार चलाना सीखना, आप कार चलाने सीखने के बाद उतने उत्साहित नहीं होंगे जितने आप उससे पहले महसूस कर रहे थें, आपने कोई नया ,फोन ,मकान, गाड़ी इत्यादि कुछ भी लिया लेकिन जो उत्साह शुरू में होगा वो उत्साह फिर समाप्त हो जायेगा।
ऐसे हमारे जीवन कई अनेक उदाहरण है ,अनगिनत है ,आप हर भौतिक चीजों पर आजमा के देख लीजिए ,लगभग उपरोक्त परिणाम ही आपके हाथ लगेगा। अब

आते हैं जो मुख्य और असली बात है।।
जब आपके घर में किसी का जन्म होता है तो बेशक आपको खुशी का एहसास होगा ,

लेकिन उससे कई गुना ज्यादा तकलीफ ,दुख तब होगा जब कोई आपको छोड़के हमेशा के लिए विदा होगा ,आप

असहाय और अतिबेचैनी महसूस करेंगे, लेकिन आप विवश रहेंगे ये तकलीफ लगभग सभी को महसूस होंगे,

तो यहां हम देखते है मृत्यु का दुःख जन्म के सुख से कई गुना ज्यादा है।

निष्कर्ष ::-- अगर हमारा जन्म नहीं होता तो हमें ये तकलीफ नहीं झेलनी होती, कोई ये कहे सुख भी तो मिलता है जीवन में लेकिन भाई आप ये भी तो देखें दुःख उससे कई गुना ज्यादा भी तो है।

फिर आपको बुढ़ापे का सामना भी करना है जो कि अत्यधिक

दुःख, कष्ट, बेचैनी,बेबसी और गरिमाहीन जिंदगी जीने पर मजबूर करेगी।।

और हमारे ग्रंथों में भी है कि ये जीवन दुःखो का घर है , दुःखालय है सुख तो सिर्फ छलावा है आवरण मात्र है,

और हमारे ग्रंथों में भी है कि ये जीवन दुःखो का घर है , दुःखालय है सुख तो सिर्फ छलावा है आवरण मात्र है,

लेकिन जब पैदा हो गए हो तो कुछ तो करना है ,करना पड़ेगा क्योंकि जिंदगी काटनी भी तो है, इसीलिए किसी माकूल वजह को ढूंढो और उसी में जिंदगी खफा दो ये दुःख आए या सुख का अहसास बस अपने वजह पे टिके रहो। बाकि हम एक विचारक हैं विचार करते रहें, जिंदगी में अवलोकन करते रहें और मुक्ति क्या है उसके बारे में सोचते रहें, जन्म , मृत्यु के चक्र से मुक्ति चाहिए, शाश्वत चाहिए।

एक और बात इन सभी के बीच हमारे पास एक और चीज है जो मानव जीवन का अमूल्य खजाना है ,जिसका सही उपयोग हम सभी को करना चाहिए वो शक्तिशाली भी है ,अनमोल और अमूल्य भी है और वो है विवेक।

विवेक ही वो हथियार है जिसके इस्तेमाल से हम उचित ,अनुचित का ज्ञान कर सकते हैं और ये भी देख सकते हैं कि अपनी जिंदगी किस दिशा की ओर जा रही है ,हम स्वतंत्र चिंतन कर सकते हैं दूसरों और खुद के अनुभवों से बहुत कुछ हम सीख भी सकते हैं , जिंदगी का असली रहस्य क्या है ये जीवन रुपी विशाल समंदर में इंसान विवेक रुपी गोताखोर के माध्यम से गोता लगाके उस अमूल्य और अनमोल जीवन के रहस्यमयी रत्न को हस्तगत कर सकता है।